

Participants : [Singh Shri Ganesh](#)

>

Title : Reported presence of excessive pesticides in wheat imported from Australia delivered at Chennai Port.

श्री गणेश सिंह (सतना) : अध्यक्ष महोदय, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न उठाना चाहता हूँ। ... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मेहरबानी करके आप सब लोग चुप हो जाइये वरना मैं हाउस को एडजर्न कर दूंगा।

... (व्यवधान)

श्री गणेश सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न की ओर सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ। ... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Members, you are all very learned and very much concerned. If you can teach me how two hon. Members can be called at the same time, then I will be very much obliged [R23].

... (Interruptions)

[R24]

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्यों, मेरे पास बोलने वाले सदस्यों की इतनी लम्बी लिस्ट है, मैं इसे पूरा करने की कोशिश कर रहा हूँ।

श्री गणेश सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं एक महत्वपूर्ण बिन्दु पर आपके माध्यम से सरकार तथा सदन का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि चेन्नई बन्दरगाह में आस्ट्रेलिया से उतरे आयातित गेहूँ जिसमें अत्यधिक कीटनाशक मिले होने की सूचना समाचार पत्रों में छपी है। पहली खेप में जो गेहूँ आया है, उसमें 500 प्रतिशत से अधिक मात्रा में कीटनाशक होने का दावा किया गया है। क्या यह जहरीला अनाज सरकार लोगों को खाने के लिए देने जा रही है? क्या भारतीय खाद्य निगम ने इस जहरीले अनाज को स्वीकार कर लिया है? क्या इस जहरीले अनाज को खाने से मानव शरीर में गंभीर संक्रमण और बीमारी होने की संभावना नहीं है?

* Not recorded

अध्यक्ष महोदय, अभी हाल ही में एक संस्था ने विभिन्न शीतल पेयों में जहरीले पदार्थों के मिले होने की पुष्टि की थी। मैंने उस समय भी सदन में कहा था कि बहुराष्ट्रीय कंपनियां हमारे देश में धीमा जहर बेच रही हैं और हमारी सरकार मूक दर्शक बनी हुई है। विदेशों से जो भी आयात हमारे देश में किया जा रहा है, उसकी गुणवत्ता का ध्यान रखना किसकी जवाबदेही है? एक तो यह कैसे भी एक महंगा सौदा है और यह आयातित गेहूँ उपयोगविहीन भी है। इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की जाए तथा दूसरी खेप में आने वाले गेहूँ पर तत्काल रोक लगाई जाए। इसके साथ ही मेरी सरकार से यह भी मांग है कि दुनिया के बाजार भले ही एक हो गए हों लेकिन बहुराष्ट्रीय कंपनियों की नजर हमारे देश पर कुछ अधिक ही है क्योंकि आज यह दुनिया में सबसे बड़ा मार्केट है और सर्वाधिक खपत भी हमारे देश में ही हो रही है। ऐसी स्थिति में पूरी तरह से बाजार को बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हवाले करना कहीं से उचित नहीं है। इस पर सरकार को तत्काल ध्यान देना चाहिए और देश में कोई बड़ा हादसा होने के पहले सरकार को इस पर गंभीर होना चाहिए।